News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-115
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

बिहार सिटी चीफ

बिहार, मंगलवार 30 जुलाई 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

रात दिन जो एक समझता है वही आगे चलकर इतिहास रचता है...

पहले जो खौफ अपराधियों में था अब वह नहीं ' बढ़ते अपराध पर बोले आरसीपी –

संसाधन देने के बावजूद फिसड्डी साबित हो रही बिहार पुलिस

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ मोतिहारी, मोतिहारी पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता आरसीपी सिंह ने बिहार में बढ़ते अपराध पर चिंता जताई है। उन्होंने बिहार पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि बिहार के अपराधियों में जो खौफ 2005 और 2010 में था वह अब नहीं है। सरकार द्वारा हर तरह के संसाधन उपलब्ध कराने के बावजूद पुलिस फिसड्डी साबित हो रही है। आरसीपी सिंह ने कहा कि साल 2005 और 2010 में जिस प्रकार से बिहार में कानून का राज स्थापित हुआ था, अपराधी कानून से डरते थे और इसका जो बिहार में एक मॉडल बना था स्पीडी ट्रायल का उसका एक प्रभाव देखने को मिला था। अपराधियों में कानून का खौफ होना चाहिए, अगर हमने अपराध किया है और हमारे खिलाफ सबूत हैं तो हम बचने वाले नहीं हैं, ऐसा भाव अपराधियों के मन में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2005 में जब पहली बार नीतीश सरकार सत्ता में आई तो एक लाख अपराधियों को स्पीडी ट्रायल चलाकर सजा दिलाई गई। 2005 और 2010 में राज्य में वही कानून था जो अब है। 2005 और 2010 से अधिक बिहार सरकार ने पुलिस को मदद किया है। पुलिस को बेहतर गाड़ियां दी, बेहतर थाना भवन दिया, बेहतर हथियार और बेहतर वेतन दिया। ऐसे में पुलिस को तो और भी बेहतर काम करना चाहिए। वहीं सम्राट चौधरी पगड़ी उतारने के सवाल पर आरसीपी ने कहा कि राजनीति संभावनाओं का खेल होता है। एक समय था जब सम्राट चौधरी ने अपनी बात रखी थी। समय बदला और राजनीति में बदलाव हुआ। राजनीति में कोई परमानेंट दुश्मन नहीं होता है। सम्राट चौधरी जब नीतीश कुमार को बोल रहे थे, उस समय दोनों अलग थे और अब परिस्थित ऐसी बनी की दोनों अब एक साथ हैं।

सहरसा में कोचिंग संस्थान के मालिक से मांगी 5 लाख की रंगदारी

नहीं देने पर किया जमकर तोड़फोड़

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ सहरसा, सहरसा में आसामाजिक तत्वों ने एक कोचिंग संस्थान के प्रबंधक के ऊपर हमला बोल दिया। कोचिंग के मेन गेट पर लाठी डंडे से तोड़फोड़ की। सिमरी बख्तियारपुर नगर परिषद के वार्ड संख्या 20 में असामाजिक तत्वों ने एक कोचिंग संस्थान में पहुंचकर प्रबंधक के ऊपर हमला कर दिया। इसके साथ ही स्कूल के मुख्य गेट पर कुर्सी को लाठी डंडे से तोड़ दिया। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें हाथ में बांस और पिस्टल लिए कई बदमाश दिख रहे है। जानकारी के अनुसार बदमाशों ने कोचिंग संस्थान के प्रबंधक चंदन कुमार से 5 लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी। कई बार बदमाशों ने मोबाइल के माध्यम से स्कूल प्रबंधक को धमकी भी दिया था। हालांकि जब संचालक ने रंगदारी के रुपए नहीं दिया तो बदमाशों ने हमला कर दिया। घटना के समय कोचिंग प्रबंधक चंदन कुमार मुख्य दरवाजे पर कुर्सी पर बैठा था। खतरे का आभास होने के बाद दरवाजे पर खड़ी मां ने चंदन को घर के अंदर कर दिया। वहीं चारों तरफ से ग्रामीणों को आता देख बदमाश फायरिंग करते हुए भाग निकले। मालूम हो कि घटनास्थल से बख्तियारपुर थाने की दूरी सिर्फ 4 सौ मीटर है। इस संबंध में पीड़ित ने थाने में आवेदन देकर सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाई है। वहीं सिमरी बख्तियारपुर डीएसपी मुकेश कुमार ठाकुर ने कहा कि मामले की जांच चल रही है, आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बर्थ सर्टिफिकेट बनाने के लिए रिश्वत ले रहा था डाटा ऑपरेटर

डीएम ने रंगेहाथ दबोचा, सलाखों के पीछे पहुंचा घूसखोर

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ जाहुई, जमुई के बरहट प्रखंड कार्यालय में भ्रष्टाचार की लगातार मिल रही शिकायतों को लेकर डीएम राकेश कुमार ने बड़ा एक्शन ले लिया। सोमवार की दोपहर अचानक वह जांच करने के लिए बरहट प्रखंड पहुंच गए। अचानक डीएम के बरहट प्रखंड कार्यालय पहुंचने के बाद कर्मियों में हड़कंप मच गया। डीएम राकेश कुमार प्रखंड कार्यालय में मौजूद आवेदनकर्ता से खुद ही पूछताछ करने लगे। इस दौरान डीएम राकेश कुमार बिस्वान कार्यालय पहुंचे, जहां जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कार्य किया जाता है। इस दौरान डीएम से एक शख्स ने शिकायत की कि जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड में सुधार के लिए डेढ़ हजार रुपए की मांग की जा रही है। वही एक अन्य युवक ने भी शिकायत की कि काम के बदले सात सौ रुपए डाटा ऑपरेटर संतोष यादव मांग रहा है। शिकायत मिलते ही डीएम बिस्वान ऑफिस पहुंचकर कर्मी की पॉकेट की तलाशी करवाई। इस दौरान संतोष यादव के पॉकेट की जांच की गई तो उसके पॉकेट से 5000 रुपया नगद अलग अलग पैकेट से बरामद हुआ, जो घुस के पैसे थे। इसके बाद जिलाधिकारी ने बरहट बीडीओ को मामले की जांच कर कर्मी पर एफआईआर दर्ज कर जेल भेजने का आदेश दिया है। डीएम ने कहा कि बरहट प्रखंड में आयुष्मान कार्ड बनाने की गति कम है, इसे सुधार करने को कहा गया है। डीएम ने बताया कि शिकायत मिल रही थी कि यहां कैश काउंटर पर गरीब जनता से जन्म प्रमाण पत्र या अन्य प्रमाण पत्र के मांग पर अवैध राशि ली जा रही है। जिसको लेकर अचानक औचक निरीक्षण किया, जहां बिस्वान ऑफिस के एक कमी पर ग्रामीणों ने आरोप लगाया की जन्म प्रमाण पत्र बनाने को लेकर सात सौ रुपए लिए जा रहे हैं। इस दौरान मौके पर ही कर्मी का पॉकेट सर्च करवाया गया जिसके पास से पांच हजार रुपया पाया गया है। डीएम ने बताया कि उन्हें किसी ने फोन कर अवैध उगाही की सूचना दी थी।

ईएमआई चुकाने को लेकर पति -पत्नी में अनबन

वाइफ ने बच्चों के साथ बिस्किट में मिलाकर खाया यूरिया

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ बंका, बिहार के बांका से एक सनसनीखेज मामला निकल कर सामने आया है। यहां एक महिला ने अपने पति से झगड़े के बाद खौफनाक कदम उठाया है। इसके बाद पुरे परिवार में मातम का माहौल कायम हो गया है। महिला ने पति से झगड़ा के बाद यूरिया खा लिया। इतना ही महिला ने अपने दो मासूम बच्चों को भी बिस्किट में मिलाकर यूरिया खिला दिया। मिली जानकारी के अनुसार, लोन की क़िस्त जमा करने को लेकर पति-पत्नी में फोन पर बातचीत के दौरान विवाद हुआ। उसके बाद आवेश में आकर महिला ने अपने दो बच्चों के साथ यूरिया खाकर जीवन लीला को समाप्त करने का फैसला लिया। हालांकि, किसी तरह यह बात आसपास के लोगों को लगी तो यूरिया खाने के बाद भी महिला और उसके बच्चे को सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया है। यह घटना थाना क्षेत्र के लीलागोड़ा गांव की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि ग्रुप लोन की किस्त के पैसे जमा करने को लेकर अंजनी देवी का फोन पर पति पंकज राय से कुछ अनबन हो गया था। इससे महिला ने गुस्से में आकर इतना भयानक कदम उठा लिया। फिलहाल डॉक्टरों की मदद से तीनों को मौत के मुहं से बाहर लाया गया है और तीनों की हालत में सुधार है। अब बच्चों सहित मां अपने घर वापस आ गई हैं। उधर, इमरजेंसी में तैनात डॉक्टरों ने बताया कि इनलोगों का उपचार किया गया। तत्काल उपचार मिल जाने से बच्चों सहित मां को डॉक्टरों की मदद से मौत के मुह से बाहर लाया गया। फिलहाल तीनों की स्थिति खतरे से बाहर है। लिहाजा उन्हें घर रवाना कर दिया गया है। इससे अधिक बातों की जानकारी हमें हासिल नहीं हुई है।

दर्दनाक हादसे में युवक की मौत, रेल ट्रैक पार करने के दौरान अचानक आ गई ट्रेन

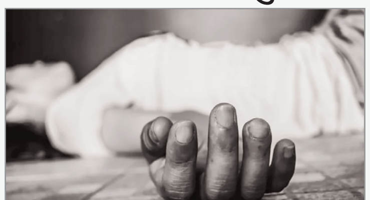

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ बेतिया, बेतिया में दर्दनाक हादसे में एक यवक की जान चली गई। मझौलिया के राजघाट रेलवे ढाला के पास ट्रेन के चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना राजघाट रेलवे गुमटी ओएचई पोल संख्या 196/ 30 और 32 की बताई जा रही है। मृतक की पहचान पूर्वी चंपारण जिला अंतर्गत पहाड़पुर थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर बाजार टोला वीरेंद्र शाह का 31 वर्षीय पुत्र दिलीप कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दिलीप मानसिक रूप से विक्षिप्त था और उसका इलाज चल रहा था। रविवार की रात दिलीप देर बाजरा लदा पिकअप वैन लेकर घर से निकल गया था और सोमवार की सुबह खबर मिली कि ट्रेन से कट कर उसकी मौत हो गई है। घटना को लेकर परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर दिलीप जायसवाल का विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने किया स्वागत!

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के द्वारा दिलीप जायसवाल को प्रदेश की कमान सौंप गई है।: लालबाबू प्रसाद गुप्ता

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ पताही, चिरैया विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने पटना एयरपोर्ट पर पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष व राजस्व व भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉक्टर दिलीप जायसवाल को पटना पहुंचने पर भव्य स्वागत किया है। विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने बताया है कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के द्वारा दिलीप जायसवाल को प्रदेश की कमान सौंप गई है। बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री , एमएससी, एमबीए, पीएचडी और एमफिल तक शिक्षा ग्रहण करने वाले बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल हमेशा सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में लगे रहते थे। विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने बताया है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ जायसवाल महामहिम की ओर से समाज सेवा के लिए सम्मानित भी हो चुके हैं। ऐसे महान शिक्षाविद् एवं उपलब्धियां को हासिल करने वाले तथा 20 वर्षों तक भाजपा के कोषाध्यक्ष पद को सुशोभित करने वाले डॉक्टर जायसवाल को पार्टी संगठन को मजबूत करने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी। गौरतलब हो कि बीजेपी ने एक बार फिर अति पिछड़ा पर दाव लगाया है। आगामी विधानसभा चुनाव में बेहतरीन रिजल्ट की आस में बीजेपी के द्वारा यह बड़ा कदम उठाया गया है।

गिरफ्त में आए दो फर्जी पुलिस अधिकारी

पुलिस का स्टीकर लगी स्कॉर्पियो भी जब्त

बड़े वारदात को अंजाम देने की थी तैयारी

हाजीपुर, वैशाली पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दो फर्जी पुलिस अधिकारियों को अरेस्ट किया है। दोनों पुलिस का वर्दी पहनकर पुलिस का स्टीकर लगे स्कॉर्पियों से घूम रहे थे, तभी वैशाली पुलिस की टीम ने दोनों को दबोच लिया। दरअसल, वैशाली पुलिस को सूचना मिली थी कि करीहो मिर्जानगर गांव में कुछ लोग पुलिस की वर्दी पहनकर तथा एक स्कॉर्पियों पर पुलिस का स्टीकर लगाकर किसी वारदात को अंजाम देने के लिए इकट्ठे हुए हैं। सूचना के आधार पर महुआ थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंची। पुलिस की गाड़ी देखकर वर्दी पहने हुए दो व्यक्ति अपनी स्कॉर्पियो छोड़कर भागने लगे। जिसके बाद महुआ पुलिस की टीम ने दोनों फर्जी पुलिस पदाधिकारियों को धर दबोचा। पुलिस की स्कॉर्पियो को भी जब्त कर लिया है। गिरफ्तार फर्जी पुलिस अधिकारी मोनू कुमार और धर्मेन्द्र कुमार मिर्जानगर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया है।

पांचवी के छात्र को शिक्षिका ने चप्पल और छड़ी से पीटा

गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ मुजफ्फरपुर, पांचवी कक्षा के छात्र की महिला टीचर ने चप्पल और छड़ी से बेरहमी से पीट दिया। जिसके कारण गंभीर हालत में बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला टीचर के इस रवैय्ये से परिजन काफी गुस्से में हैं और स्कूल प्रबंधन से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि शिक्षा जब बच्चे को पीट रही थी तब स्कूल के अन्य शिक्षक खड़े होकर तमाशा देख रहे थे। मामला मुजफ्फरपुर के मनियारी थाना क्षेत्र के मरीचा पंचायत की है जहां स्कूल की शिक्षिका ने पांचवी क्लास के बच्चे को चप्पल और छड़ी से इतना पीटा कि उसकी हालत बिगड़ गयी और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ गया। अस्पताल के डॉक्टरों ने बच्चे की गंभीर हालत को देखते हुए दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया। जहां बच्चे का इलाज चल रहा है। छात्र के पिता ने बताया कि जब उनके बेटे को पीटा जा रहा था तब अन्य टीचर भी स्कूल में मौजूद थे लेकिन किसी ने भी को नहीं बचाया। किसी ने भी पिटाई करने वाली शिक्षिका को ऐसा करने से नहीं रोका। शिक्षिका बेरहमी से पीटती रही और अन्य टीचर तमाशा देखते रहे। बच्ची की पिटाई को देखकर किसी का दिल नहीं पसीजा। ऐसे शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। वही पिटाई करने वाली टीचर का कहना है कि बच्चे ने एक लड़की के साथ गलत व्यवहार किया था उसी की सजा दी गयी। जबकि बच्चे के पिता का कहना है कि खेलते वक्त वो किसी से सट गया था जिसके बाद मैडम ने उसे इस कदर पीटा कि वो बुरी तरह घायल हो गया। बेटे को चप्पल और छड़ी से पीटा गया लेकिन उसे बचाने की कोशिश किसी ने नहीं की। स्कूल के अन्य टीचर तमाशा देख रहे थे। पीड़ित बच्चे के पिता ने स्कूल प्रबंधन से दोषी शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।